[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

[illegible] ॥०३॥

त्वं [illegible]
[illegible]
[illegible] ०३ [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

𑆯𑇀𑆫𑆵𑆓𑆟𑆼𑆯𑆳𑆪 𑆚𑆩𑆂

𑆱𑆠𑆶𑆣𑇀𑆪𑆳𑆪𑆼𑆢𑇀 𑆱𑆫𑇀𑆮𑆁 𑆠𑆢𑆳 𑇐𑇕॥ 𑇓𑇒

𑆮𑆴𑆭𑇀𑆟𑆶𑆁 𑆱𑆁𑆱𑇀𑆩𑆸𑆠𑇀𑆪 𑆠𑆱𑇀𑆩𑆳𑆠𑇀 𑆠𑆴𑆫𑆮𑆳𑆟𑆵

𑆯𑇀𑆫𑆵𑆩𑆠𑆳𑆪𑆠𑆚𑆩𑆂 𑆲𑇀𑆫𑆵𑆩𑆚𑆁 𑆱𑆁𑆥𑇀𑆫𑆲𑇀𑆫𑆶

𑆎𑆀𑆁 𑆨𑆓𑆮𑆠𑆴 𑆮𑆳𑆓𑆵𑆯𑇀𑆮𑆫𑆴 𑆱𑆶𑆩𑆶𑆒𑆼 𑇓

𑆱𑆫𑇀𑆮𑆘𑇀𑆚𑆼 𑇓 𑆱𑆫𑇀𑆮𑆥𑇀𑆫𑆘𑇀𑆚𑆼 𑇓 𑆱𑆫𑇀𑆮𑆯𑆑𑇀𑆠𑆼

𑆨𑆮 𑇓 𑆱𑆫𑇀𑆮𑆱𑆴𑆢𑇀𑆣𑆴 𑇓 𑆨𑆓𑆮𑆠𑆴 𑆚𑆩𑆱𑇀𑆠𑆼

𑆲𑇀𑆫𑆶𑆁 𑆪𑆳𑆪𑆳 𑆱𑆵𑆚𑇀𑆢𑆶𑆚𑆱𑆚𑆳𑆱𑆶𑆫𑆳𑆁

𑆱𑆳 𑆠𑆶𑆩𑆱𑇀𑆫𑆳𑆁 𑆑𑆾𑆱𑆚𑆳𑆩 𑆱𑆮𑆚𑆑𑆂

𑆮𑆳𑆓𑆵𑆯𑇀𑆮𑆫𑆵 𑆪𑆁𑆠𑇀𑆫𑆟𑆵
𑆱𑆵 𑆥𑆫𑆩𑆯𑆑𑇀𑆠𑆴𑆂

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

॥ अंप्रन्लें मयां वियवक्तुषितंमा।
प्रङ्गमेवं विंमवीं भ्रुंपयक्रुङ्
मष्ठु तः शृङ्गनैपाविधुं स्वंगा
ठिम्रापठ्ठमूसंम (सिद्धम्) ठिष्ठंउ ठग
वठिवंगीसुरिपंह्गप्रक्रा॥ न
मः, शृंङ्गप्रक्रा॥ नमः ज्ञुसमनी
यंगप्रक्रा॥ नमः। अमांलठनमाप
त्रु पुष्पांलिगप्रक्रा॥ वांषप्रे प्र
पंगप्रक्रा॥ मीपंगप्रक्रा॥

शि॰
सू॰
१

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

[illegible]

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

कृष्णं रप्रग्मिनम इति कृष्ण
स्तुं प्रायते। इतिहासंस्कृ
ं शिठिशिठि शिन्लाकृति
ठिरुतनपालिनाजुदतो।
ठिसंमग्रः गकुपानंकी
मिस्राक ॐ ठिसंमग्रनह
पानं मम्पाम्रुतां मुपाक ॐ ह्रीं
मग्र पमाकवनम इति जुमणु

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

५

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

ग्रेचक्रकल्पनं करोमिश्च ॥
ओं नैऋत्यकल्पनं करो॰ ॥
ओं भग्नेभीभकल्पनं कु॰ ओं
ओं भग्ने: म: सिवउडुभापंकु॰ ॥
ओं भग्न: म्‌ विमृउडुकल्पयं
कु॰ ॥ ओं भग्न: विमुद्धउडु
पकिकरो॰ ॥ ओं भग्ने: भाप॰ ॥
गीविं कुंभिं नष्ठ कभं कल्पय

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

सि॰
म॰

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

[illegible]

[illegible] नमः ॥ [illegible]

[illegible] सनाय नमः [illegible]

सनाय नमः [illegible] नमः [illegible]

पद्मासनाय नमः [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

यन्त्रं क्लीं व[illegible]णयनमः ॐ
ॐ ह्रूं हस्तुष्टिः वर्णयन्त्रं ॐ ह्रं शि
खड्गं शिखिपत्रं उम्ब[illegible]ः खड्गम
कृं प्रणयन्त्रं ॐॐः शिवकम्नुविधिः
यन्त्रमन्त्रः ॐ ह्रीं क्रूं भिषिमंनिधि
ॐ ह्रीं क्रूं रोषिनि ॐ ह्रीं क्रूं ममसुरत्व
निरुत्तनि ॐ ह्रीं क्रूं शिवअक्षरप्रण
निष्पाद्य ॐ ॐ यन्त्रं वामयन्त्रं। गत्र

शि
मन्त्र
०

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

दीपमन्त्रः ॐ ह्रीं दीपं ब्रह्म साक्षात्

सर्वेषां [illegible] स्तु [illegible] पा

[illegible] स्तु [illegible] दीप

[illegible] १ [illegible] शिव [illegible]

[illegible] ॐ आं ह्रीं [illegible] दीपमन्त्रः

[illegible] ॐ ह्रीं दीप

[illegible] ॐ ह्रीं [illegible] ॐ [illegible] १ [illegible] १

[illegible] १ [illegible] १ [illegible] १ [illegible] १

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

कट ३ वम ३ धान्तय ३ गट
ग्युञ्जं ३ हूः ठणं ३ मृधे
गम्भुण्यनमः ह्रीं क्रूं ह्रूः गह्रीं गफ्रुं ३
गफ्रुः मिमनम्भुण्यनमः कुयुणं प्र
स्पयडा ॥ पिकूयनमः पिएकु
यनमः पमण्यनमः मकुमण्यन
मः वगण्यनमः मठयाण्यनमः
सि धट्टायनमः डिम्रुलण्यनमः
ग्रु
१

[illegible]ाय नमः [illegible] नमः ओं
[illegible]
[illegible]
[illegible] वामायै नमः ज्ये
ष्ठायै नमः रौद्र्यै नमः काल्यै न
मः कलविकरिण्यै नमः बल
विकरिण्यै नमः बलप्रमथिन्यै न
मः मनोन्मन्यै नमः ॥ ओं [illegible]
[illegible] ॥ ३ ॥

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

𑆃𑆡

[illegible] 𑆩𑆳𑆬𑆴𑆤𑆵
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
𑆩𑆳𑆬𑆴𑆤𑇀𑆪𑆽 𑆤𑆩𑆂 [illegible] 𑆅𑆠𑆴
[illegible]
[illegible] 𑇆 [illegible]
[illegible]

[illegible]

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

गंगणपतयेनमः ग्लुंमः ग
णपतिवल्लभायनमः गाश्रि
ड्डामि क्लीं कामभागायनमः कं
ह्रम उड्डामि ह्रं ह्रीं मः अद
यनमः ह्रं चंह्र उड्डामि स
सैंहैंसैंसैं · उड्डामि लम
सैंगणवक्रायनमः उड्डामि
ह्रं ह्र · उड्डामि ठिक्रं निष्क

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

लमसुख[illegible] भगवत्यै नमः ह्रीं
ह्र[illegible]ह्रां मि[illegible]मा[illegible] मन्त्र
यं[illegible] भगवत्यै न[illegible]
ह्रीं म[illegible]भ्यर्च्यै नमः ॥ इमावि
मन्त्रकाली दुर्गामाश्रित्य
मन्त्रं [illegible] कालिके
मन्त्रं कालरात्रि[illegible] ॥
[illegible]भं मन्त्रमन्त्र[illegible]

सि
च[illegible]
८

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

ॐ षडक्षरीः ॐ ह्रां अङ्गु
ष्ठाभ्यां ॐ ह्रीं तर्जनीभ्यां नमः इति
तर्जनीभ्यां नमः इति ॐ ह्रूं मध्यम
[illegible]भ्यां इति ॐ अनामिकाभ्यां नः
इति [illegible]भ्यां नमः इति ॐ
[illegible] नः ॐ ह्रां कनिष्ठि
काभ्यां नमः इति ॐ हः करत
लकरपृष्ठाभ्यां

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

[illegible]

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

ब्रूं ठैं जयभु तिलमश्चपात्रकी
र् ग्रुह्यं ॐ सभामनं नमः ॐ
ग्वश्च स्रोः पूर्वे सममानयाणि
पात्रः ग्रुह्यंठिग्वाय स्रो प्र
चे सममानयाणिपात्राय ॐ प्रण
यामि ग्रुह्यं ठिगवं स्रवीं प्रवं
स्रे. सममानयाणिपात्रे दक्षिणे मफ
ग्रु स्रों पश्चिमे भरिकुटं उत्तरे क
१र गलं

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

अस्य भगवं श्री[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

ममान्तरंगेभ्यो नमः समुद्राय
[illegible]
[illegible] नमः पूर्वे
नमः [illegible]
नमः [illegible] नमः [illegible]
नमः [illegible]
[illegible] नमः [illegible] १
सि. [illegible]
द्वि. [illegible] नमः [illegible]
१ [illegible]

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

सपसर्हेन घसृङग्वङ। थिङःसि
वसीङ्गस्य ंङ्गुस्य सिवपलवीपल्
ॐ घस्ठैरवसेद्दसीरं प्रीहङ
कलस वेङ्गसरेवङः प्रीङः
सङ सर्हेन घसाङसङ्ग सं
स्त्रसीर्ङः गलिंसस्तुङ। य
ङ्गङंविविणकाणसिवृठिसं
त्रविङ्गगः पङलङलसं
सङ्गः सिवयंगसृठावि
डः सूवांसिसवङ्गत्त

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

[illegible]

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

मन्त्रे भ्रुवे वं भ्रुमस्य मर्म्भून्तरः
रिणकुकर्मा उक्तानिकृत्यामिक्तौ
व स्फुटस्वेन रूषण्यघषमे उग्न
रुत्रुष ॐ स्त्रीं पश्रुत्रौ रुण ॥
ॐ ॐ वज्रपञ्चेश्वराय नमः ॥
ॐ ह्रीं भगवत्यै दुर्गायै नमः ॥ श्री
शिवस्य भट्टाग्नीतीउष्णघामि
नमः भगवत्सूर्यै शिवसूत्रिल्कं

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

कन्यैतौ तिहूं ह्रीं हैं हः कल
मुमुण्य नमः ५ ति तिलकं ति
कं यक्लीं पवीतं नमः ५ ति भ
ल भ कन्यालहु यक्लीं पवीतं उथ
थाभिनमः गलूकं लकूगगा
लि लैपयैतौ मूपि उम्भुलं क
भुलं नवकुणालिभु पैनपि
पाय उउ लौकिउपलंभायंति
मि॰ पु॰ ०० गुरु उभूपरभूम इूणलि लिपि

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

[illegible]

विस्नउकुयनमः
शिउकुउकुयन
मःविस्नुउकुय
नमःशिविवउ
कुयनमः +

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

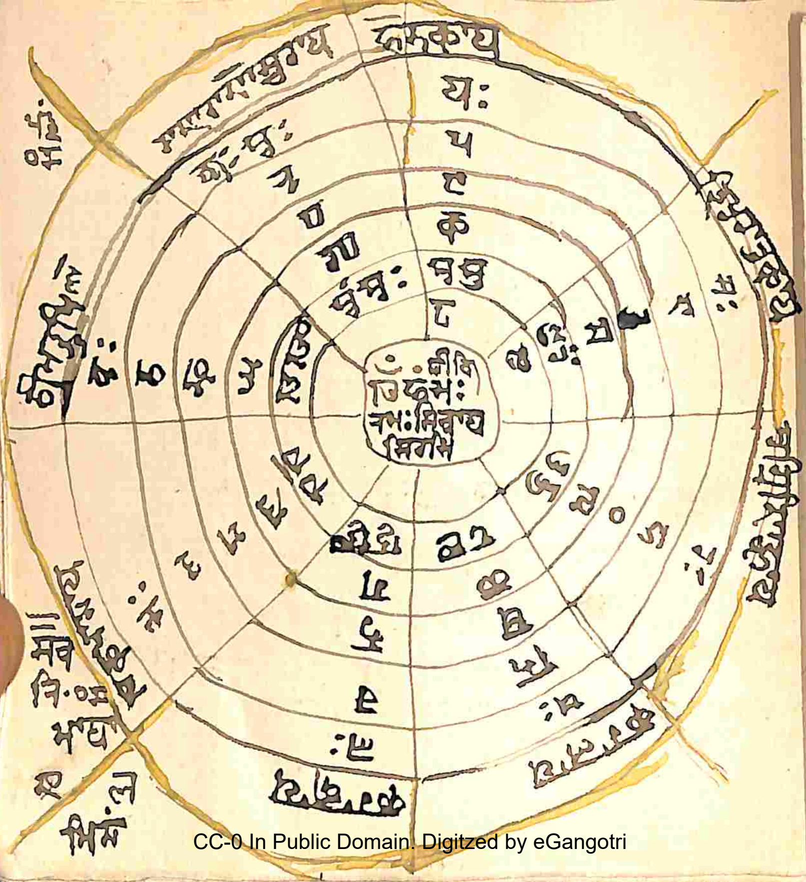
CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

[illegible]

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

[illegible]

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri



CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

ॐ भ कुयगनृवीरठअन्, श्रूमलं पस्मम
ह्लीयेत्। उद्धरेभ्रूश्रूमन्, ब्राकुद म्वनत्र
यनमः श्रुणवसत्रु नमः पद्माय. द्रुनाय.
वेग्नुाय. विश्रुदाय. कालिकायै नमः ॐ
ह्रूंभंउदत्। ह्रूं ह्र. ह्रीं भि. ह्रूं मापत्येवय
ल। ह्रैं कवमाय ह्रु ह्रें नेइरु देवपल। ह्रः मृ
मृत्युयकल। ॐ मिगुरुनृ, वग्ग ठनयूल्र
क्रमेपक: रुफत्रुभानु यात्स्वयश्रु भ्रूय
नमनैययगालिमवकुत्रुयेलकदुजु यह्ल भ
वमूद्ध्येत्र्मं, मं मं भैमंयनम: लल॥
वं वागीश्वरे नमः श्रीं, लं लगानु
हे य हिहे नमः ॐ
लल

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

ह्रीं [illegible] भैरवाय
ह्रीं [illegible] भैरवाय भीषणभैरवाय
कपालीशभैरवाय उन्मत्तभैरवाय क्रो-
धभैरवाय [illegible] भैरवाय [illegible] भैरव-
य असिताङ्गभैरवाय उन्मत्तभैरवाय
क्रोधभैरवाय [illegible] भैरवाय [illegible]
रवाय असिताङ्गभैरवाय [illegible]
[illegible]
[illegible]
इति [illegible] नमः [illegible] नमः

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

चपमद्धेन पितृवं मातृ शिव
[illegible]
[illegible] मन्त्र [illegible] ओं [illegible] : आं [illegible] नमः
[illegible] : आं [illegible] नमः [illegible]
[illegible]
[illegible] नमः [illegible]
[illegible] नमः [illegible]
शि० नमः आं [illegible]
वि० [illegible] आं नमः
७

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

अमुकान्वय। पितुः अमुकगोत्रस्य
अमुष्य अमुकशर्मणः प्रीयतां
एवं [illegible] मातामहः
प्रीयतां प्रीयतां प्रीतोस्तु प्रीतोस्तु
अग्निष्वात्ताः सोमपाः बर्हिषदः
[illegible]: [illegible]: [illegible]: [illegible]
[illegible]: [illegible]: प्रीयतां प्रीतो भव
तु [illegible] प्रीतो भवतु ॥

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

समाप्तमस्तु ॥ नमोस्तु ते भक्तस्वि
भेच्छोपसूचनामिनि ॥ तस्कृतुपेसु
ठवस्कुनितनितंस्ककमिव, क
लाकल्लस्कुगल्कित ठवाकवातु
भप्रा ॥ सहस्तो कल्लवातीत स
तु नितु पतपरे ॥ लयेस्यविनि
सतुपमिपुल्लिनपापरे ॥ सुक
कल्सापकरेनितरुपुनिराभ
०३ य ॥ तुयाहूपुभिसंसवं

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

कुउमनंमरमरमा। ममृमकंकि

उकुयमविणवंउकपूठे ॥उमंगफ

मृंपरमंफणकेमुसंस्त्रिउमा। पमक्

यैगिनींकंउपनमदनुमपुगे ॥

यमनुकछै उ ॥ममुउनडा। पिउ

चमाकुः मिवगैउसृ कमुसुपर्ले

केयकुनमवामृउं धीगनुकनगनिव

उत्तउं भकंलश्रीमीपंपारिकल्प

यामिनमः॥

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

एवंभूतेन श्रीपरमेश्वरि कल्पये

अस्य श्री मंत्रस्य श्रीः ऋषि

श्रीदेव्यै ॥ विष्णु श्रीये ॥ वैष्णवी

श्रीयं ॥ महालक्ष्मी श्रीयं ॥ एवं

भूतां श्रीपरमेश्वरि कल्पयामि नमः ॥

भक्तेन मित्र यमादि मिभ

यास्ति मालिपेठ द्विपमुखाउ

मुखमुखौ सतां एत न उभमुद

उत्सोपः मूर्गमानु सायि ऊ स

०७

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

ਮਧੁਵਤਿਕਸਮਿਤ੍ਰਡੰਸੰਸੁਗ੍ਰਾਮ ।
ਮੁਰਾਰਿ ॥ ੫੯ ॥ ਤ੍ਰਾਹਿ ਸਤਸੁਕ੍ਰਿ ॥
ਤਸੁਹਿ ਸ੍ਰੁਸਸਾਧਾਗ: ਸੁਵਤ੍ਰਾਂ
ਸਤੰਸਤ੍ਰੁਤ੍ਰਰਸਖ੍ਰਸਲੰਤਤ: ॥
ਕੁਟ ਪਰਸ੍ਰਸੁਪ੍ਰਵੈਵ ਸਤੁਸਸਸੁ
ਸਨਿਲੇ ॥ ੬੦ ॥ ਫਰਸਕਿਲਤ
ਕਰਿਤਧਸ੍ਰੁਨੈਨਤ ॥ ਗਨਵਲ:
ਪਸ੍ਰਿਸਿਤ ਸਨ੍ਰਸਾਸੁਵਾਧਵੈ
ਧਸਕਰਵਸ੍ਰਿਤ੍ਰਵੈ, ਤੰਸਾਨੈ

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

मध्यमार्गे मत्र्ये ॐ ति गणेशाय
नमः वागीश्वर्यै भुवनेशि
गुरुपादुकां गुरवे नमः परमगु
रवे नमः परमेष्ठिगुरु. परमाचा
र्य. सिद्धिभिस्तुष्टेभ्यो नमः ॐ तिस
सद्गुरवः पद्मपादान् भगवत्प्र
सादितं। सनन्दनाय नमः सनात
नाय नमः ... नमः वैराग्य

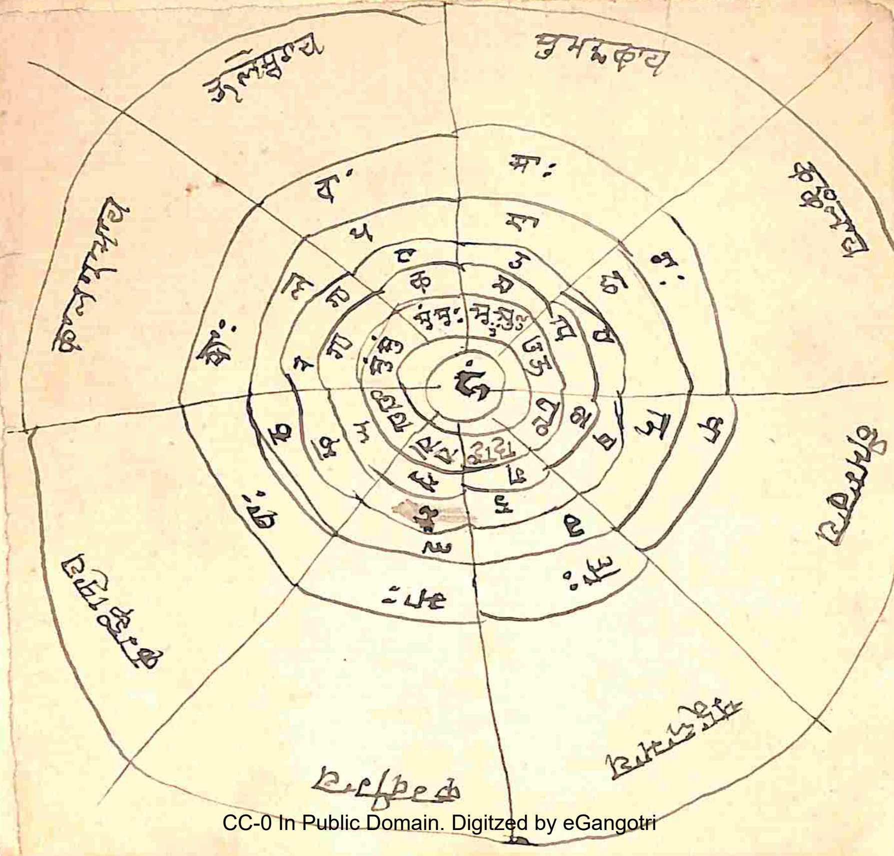
CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

घनमः स्मुदायनमः कालिकायै
नमः उमुपारि मूष्टूपल्लपाइ वङ्क
द्रुपहेरवंपस्यडा उमूवे भिडं
हूकांभोङ्गुभापंरूमवाफुभमाङि
कभा सुलाफभङ्धापन्नवेम्र
वाकेरपाडेः भडुलान्नमनमम्र
उम्रुमघ्यवाभक्रेः याडेनावम्र
वापुरूभायामेवीभगाङुरभा
उडिमुद्गुभतम
CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
श्रि. [illegible]
नि. [illegible]
११ [illegible]

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri



CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

𑆮𑆠𑇅 𑆯𑆶𑆨𑆁𑆑𑆫𑆳𑆪 𑆑𑆁𑆑𑆳𑆬𑆳𑆪
𑆨𑆵𑆩𑆓𑆫𑇀𑆘𑆳𑆪 𑆯𑆁𑆑𑆫𑆤𑆩𑆑𑆳𑆪
𑆑𑆫𑆮𑆵𑆫𑆳𑆪 𑆑𑆁𑆑𑆟𑆳𑆪 𑆑
𑆬𑆫𑆷𑆥𑆳𑆪 𑆘𑇀𑆮𑆳𑆬𑆩𑆳𑆬𑆳𑆪 𑆢𑆼
𑆢𑇀𑆫𑆴𑆥 𑆑𑆳𑆪 𑆫𑆴𑆥𑆶𑆑𑆳𑆪𑆼𑆠𑆴 𑆯𑆴𑆮𑆂 𑆥𑇀𑆫𑆥𑆂
𑆨𑆓𑆮𑆤𑇀𑆩𑆂 𑆯𑆥𑆩𑆁𑆠𑇀𑆫𑆼𑆤 𑆱𑆶𑆠𑆮
𑆠𑆳𑇅 𑆆𑆠𑆴𑆂 𑆯𑆴𑆮𑆓𑆵𑆠𑆳𑆱𑆷𑆑𑇀𑆠𑆩𑇀
𑆯𑆴𑆮𑆑𑆫𑆩𑆤𑆴𑆨𑆁 𑆯𑆴𑆮𑆥𑆢𑆮𑆵

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
सि· [illegible]
त्रि· [illegible]
[illegible]

१२

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

[illegible]

93

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

ॐ भगवति राज्ञीश्वरि [illegible] त्राहस्व ३

[illegible] तिष्ठ २ अत्रागच्छ २ अत्र [illegible] भव भगव

ति राज्ञीश्वरि [illegible]

[illegible]

[illegible] नमः ॥ पाद्यं [illegible]

नमः [illegible]

[illegible] नमः

[illegible] ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

नमः

[illegible]

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

रां हृ॰ ह्रीं मि॰ य॰ भिापप्यैवः
सु॰ कव॰ हुं॰ पउनरः॰ घसुहुं॰
ल घसुपयठण। घसुपरउजु
भंसुकना जदउ। यद्य ठिंकः॰
लभुंक लंकरोमि। हुं लिकुभुय,
वगुठंन ठिंठलो उल्लामंनकरोमि
ठल। रवंभाड्गु उडूनं परमसुव
लेकनं धुंठ लंपरलं भमीकरलं
भमनं पिकुनं भाल्लनं लैपनं भोठि
कपुरलंकरोमि॰
ल॥

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
७ [illegible]

4/5

3F

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

ॐ कं स्कन्दः भद्रमस्तु नकं कोमिस्तुभ्यं ३ गन्धं
पुष्पधूपसमर्पणीयं ॐ वृषभाय नमः वृषभस्तु
भ्यं वृषभस्य वाहुतं प्रवे वृषभाविमस्तु उं गन्धं
पुष्पधूपसमर्पणीयं ।०। नन्दिने नमः । नन्दिने
स्तुभ्यं नन्दी वाहुतं, विघ्नं विमस्तु गन्धपुष्पधूप
समर्पणीयं, विष्णवे नमः विष्णवे स्तुभ्यं विष्णुर
भूतं पाप्मं विघ्नं मे मयेउ गन्धपुष्पधूपसमर्पणी
यं, भगवान्मित्राय नमः भगवान्मित्राय स्तुभ्यं, भ
गवान्मित्र वाहुतं गन्धपुष्प. ॐ वागीश्वर्यै नमः
वागीश्वर्यै स्तुभ्यं वागीश्वरी वाहुतं उदकं भावि
भूतिलयं मङ्गलं भवितु मे स्तु ।। वागीश्वरि नमो
भेदु गमस्तु मे विघ्नविभूपमो मनमनस्कुवमंस्कुः

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

[illegible]

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

प्रवामिक्रमेणु प्रिङ्गु ङ्ग प्रपध्रुप्रस्क
द प ह्रौं किङ्गु यैनमः प्राचे ग्रीं कुर्बीवक्र नमु
यनमः भुग्नेये ह्रौं कनकायनमः मार्तैले॥
ग्रीं रक्तायैनमः नैऋते ह्रौं सुधूम्रायैनमः प
श्चिमे ग्लीं रक्तायनमः वायव्ये, श्रीं कनक
यनमः उत्तरे ह्रौं विरूपाक्षयनमः ईशाने
क्ष्रीं भूवेनमः भूभूवायनमः फ्रुं कं रुद्रव
रुद्रैनमः ह्रौं कुड्डयनमः ह्रौं डिलिहे
नमः ब्रिं डुलेहैनमः ॐ प्रपञ्चे डिले
मि॰ वर्णीहु: क्रुङ्गम्भं कं कौंभिमुक्त ३ कङ्क
१७ शुं विध्रुं विमहु ब्रिं रू यन्त्रः विधूम
कं कौंभिमुक्त ३

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

वक्त्राय नमः अग्ने धर्मं ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible] ह्रां ह्रीं ह्रूं ह्रैं ह्रौं ह्रः अस्त्राय
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
शि. [illegible]
नि. [illegible]

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

[illegible]

70

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

ऐं ह्रीं वाग्भवेश्वरानन्दनाथश्रीपादुकां ०• ह्रीं [illegible]
[illegible] श्रीपादुकां ०• [illegible]
[illegible] श्रीपादुकां ०• [illegible]
[illegible] ०• [illegible] श्रीपादुकां ०• [illegible]
[illegible] श्रीपादुकां ०• [illegible]
[illegible] ०• [illegible]
[illegible] श्रीपादुकां ०•३ [illegible]
[illegible] श्रीपादुकां ०•३ [illegible]
[illegible] श्रीपादुकां ०•३ [illegible]
[illegible] श्रीपादुकां ०•३ [illegible]
[illegible] श्रीपादुकां ०•३ [illegible]
[illegible] श्रीपादुकां ०•३

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

[illegible]

[illegible]

[illegible] स्वाहा १०८ कालो॥ ॐ

क्रीं क्रीं क्रीं हूं हूं ह्रीं ह्रीं ॐ दक्षिणे कालिके स्वाहा

क्रीं क्रीं क्रीं हूं हूं ह्रीं ह्रीं स्वाहा १०८ [illegible]

ॐ ह्रीं श्रीं [illegible] स्वाहा १०८

[illegible] ॐ ह्रीं श्रीं [illegible]

[illegible]

[illegible] स्वाहा १०८ [illegible] ॐ

ह्रीं श्रीं [illegible] स्वाहा

१०८ ॐ [illegible] स्वाहा १०८

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

ॐ ह्रीं सर्वज्ञहृदयाय नमः ३ ॐ नित्यतृप्ति
शिरसे स्वाहा ३ ॐ अनादिबोधशिखायै वषट् ३ ॐ स्वतन्त्र
कवचाय हुं ३ [illegible] ३
[illegible] ३ [illegible]
[illegible] ३ [illegible] नमः
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] नमः

[illegible]

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

मः अघोराय स्वाहा॥ यं वायुमूर्तये हुं स्वाहा॥
वं वरुणाय [illegible] हुं॥ कुं कुबेराय [illegible] हुं॥ वं
विष्णवे [illegible] हुं॥ [illegible] हुं॥ [illegible]
[illegible] हुं॥ [illegible] हुं॥ [illegible]
[illegible] हुं॥ [illegible] हुं॥ [illegible]
[illegible] हुं॥ [illegible] हुं॥ [illegible] नागाय स्वाहा॥
अनन्तनागाय स्वाहा॥ वासुकिनागाय स्वा-
य॥ पद्मनागाय स्वाहा॥ महापद्मनागाय स्वाहा॥
तक्षकनागाय स्वाहा॥ कर्कोटकनागाय स्वाहा॥
शङ्खपालनागाय स्वाहा॥ कुलिकनागाय स्वाहा॥
य॥ [illegible]॥ [illegible]॥ [illegible]

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

[illegible]

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

ॐ अघोरेभ्यस्त्रवक्त्राय स्वाहा ॥ वं वामदेव
य ॥ यं सूर्यवक्त्राय ॥ तत्पुरुषवक्त्राय ॥
ईं ईशानवक्त्राय ॥ ॐ दं सम्मुख
ज्ये नैऋत्याय ॥ ॐ कैं सुउत्र कवचाय
हुं ॥ भुवनसिद्धिप्रदानत्रयाय भामयं ॥
ॐ हृदि शिरसे स्वाहा ॐ फं सर्व
सुन्दरकवचाय ॥ ॐ अघोरवक्त्राय
भवं भानु ॐ ह्रीं अघोरास्त्र सिद्धि
लं स्वाहा ॥ ॐ हुं शिखाय लस्वुस्वाहा ॥
वनाय स्वाहा ॥ ॐ हुं अः पशुपतेस्त्र
रहस्यवाय स्वाहा ॥ ॐ हुं अः पशुपते
लं स्वाहा ॥

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

ॐ हुं ह्रीं लक्ष्मीवासमेवाय स्वाहा ०३
ॐ हुं भगवते स्वाहा ०३ ॐ ह्रीं
हुं ... वद स्वाहा ०३ ॐ
क्षुं क्षुं क्षुं हुं हुं ह्रीं ह्रीं ह्रीं मालिनी
लिके क्षीं क्षीं क्षीं हुं हुं ह्रीं ह्रीं ह्रीं
स्वाहा ०३ ॐ क्लीं मे वालप्याई
प्रत्युत्पन्नं स्वाहा ०३ ॥ ३३ः म
प्रवरान्देभ्यं वद प्रलम्बाः
कदा ॥ वभो पादेक्षमा मलविलभ
मधुं मवीणा हिके विक्रुं प्रणय
मभि भुविकदेह कुं ३ णाको ॥ कक

०८

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

[illegible]

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
७ [illegible]
[illegible]

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

नमक॰ गणाउत्तुयस्वाक०॰॥ नमक
विस्नुउत्तुय ०॰॥ नमक॰ कन्तउत्तुय
०॰॥ नमक॰ भायाउत्तुय ०॰॥ नमकत्रु
विस्नुउत्तुय ०॰॥ नम॰ ईस्वरउ॰ ०॰॥ नम
क॰ भगणशिवउत्तुय ०॰॥ नमक॰ माति
उ॰ ०॰॥ नमक॰ शिवउत्तुयस्वाक ०॰॥
पुनः सर्वपुष्पधूपं॥ पुष्पउत्तुयनम
उत्तुशुभ अर्वं शिवउत्तुयनमः उकार ३२३
पपत्र क्लीतिनीहासनपपपुष्पं क्रीमर
उपसउपनी शिवकलापत्रुकेनमवह्
पपपपनीनउवउ॥ ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं हैं

रुद

मै भक्तो ममकष्टं हून: उह उत्तुहा म
निवा हु उजउाभे उहूमैपावि ह्रीं श्रीं क्लीं ऐं
कैंनि निमुण्क डुाउपमणीमेगुल्मं उंमि
वमुभ्यै ह्रीं श्रीं क्लीं ऐं: रंमुवि ममकष्टं
ने उत्तरमु ममुपु अभिमु हउ जउ भुहू मैपा
वि ह्रीं श्रीं क्लीं ऐं: रंमुरि ममकष्टं
न उउक ममुपुभिमुह उजउभमगु
हमैपावि ह्रीं श्रीं क्लीं ऐं कैलिनिमु
ण उडिगुल्मभिमं हुउंपप॥ ऐं ह्रीं
मि. श्रीं क्लीं ऐं उउमकं भावि ममकष्टं
०१ हून उउक ममुपुविमु उजउभमगु

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

दुर्गे धारिणि ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रैं कौलिनि भुवन
दुःखसंहारिणि रक्षं रक्षं ऐं ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रैं
ह्रैं विकराले मम कष्टं हन हन उत्पन्न
सर्व भूतेषु [illegible] उत्पन्न [illegible] मालिनि मन्त्र उक्त [illegible]
ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रैं कौलिनि भुवन [illegible]
[illegible] ऐं ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रैं हुं [illegible]
मम कष्टं हन हन उत्पन्न [illegible]
[illegible] मालिनि ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रैं कौलि
नि भुवन दुःखसंहारिणि [illegible]
[illegible] ऐं ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रैं [illegible]
भक्तो मम कष्टं [illegible]

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

ॐ अस्य श्री विद्यात्रिकलान्त्र[illegible]
[illegible] ऋषिः ह्रीं श्रीं क्लीं ऐं सौः
[illegible] सर्व[illegible] [illegible]
[illegible] श्री[illegible] [illegible]
[illegible]
[illegible] ह्रीं श्रीं क्लीं
[illegible]
अस्य विद्यात्रिकला[illegible]
[illegible] ह्रीं श्रीं क्लीं ऐं सौः [illegible] ०३
[illegible] विद्यात्रिकला[illegible] सर्व[illegible]
०३

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

ॐ नमः

घृतेस्युठ्रुतेद्विरगुस्पुफ ठ ॥ रु
वप्युठ्रुपयस्फ ठः वप्युठ्रुपि
पठ्ये ऐं सुरव्ययस्फ ठ । ह्रीं ह्रूं नमः
ग्रभक ठः भयभग्रव प्युठ्रुज
ह्रुरगुस्फ ठः द्रुकमठ्रुय
स्फ ठ द्रुकमठ्रुपि पठ्येम
ग्नमिवप्ययस्फ ठ हें ह्रूं नमः
ग्रभक ठः भयभग्र कमठ्रु
ह्रुरगुस्फ ठः ठग्रिग्रल्ठः ग्रुः
११ ठ्रुयस्फ । भमवं । विहु

वह्नये०· पुरुषाय०· कालाय०·०· नि
यतिरूपाय०· ज्याउरूपाय०· विष्णुरू
पाय०· भयरूपाय०· मृत्युरूपाय०· रुद्र
रूपाय०· भवलिवत०·· मातृरूपाय०· पर
मात्मने। भुवमानरूपाय०· कंभरूप
वैष्णवाय०· ३ लिङ्ग ३ [illegible] [illegible] प्रणवरू
[illegible] [illegible] ०···· [illegible]
देवः भवभयनिवृत्तः [illegible]
लिंगमिति [illegible] [illegible]
सि· उतिं [illegible] [illegible]
सि· [illegible] [illegible] [illegible]
१·

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

३०

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

ह्रीं श्रीं भिमूवे मम भक्तं [illegible] भक्तिप्रदाय
भिमुख ०॰ ह्रीं श्रीं मम मम भक्तं [illegible]
[illegible] भक्तिप्रद भिमुख ०॰ ह्रीं श्रीं [illegible]
[illegible] मम भक्तं [illegible] [illegible]
भिमुख ०॰ ह्रीं श्रीं [illegible] सिवाय,
भक्तं [illegible] [illegible] भिमुख ॥०॰॥
[illegible] ह्रीं श्रीं [illegible]
[illegible] मम भक्तं [illegible]
[illegible] ०॰ ह्रीं श्रीं [illegible]
श्रीं [illegible] मम भक्त [illegible]
[illegible] ॥

कग्ः भकसुँ्पमभमिवँयस
यभिवंधल सुफ उडिप्रलंक
सुत्र सभेयेमनिक ठिंवकु
पठंवयवंधल सुफ सभक
स्नः कप्रपसंमफभिकुं कल सु
दफल०। सभूकस्नः सुलव
पसंमफभिकुं सुफकल०।उउः
प्रल सभकस्नः प्रयस्निउउस्नि
सुसुफ०॥प्रचे फनकयसुफ००
सुभमकयसुफउसुपमि उउः भसु

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

सर्वाय सर्वतत्त्वाय सर्वभावाय सर्व-
भूताय । ध्रुवाय सत्त्वाय योगाधि-
॰भूताय निरुद्योगिनीश्वरा-
य ते नमः शिवाय । सर्वभूतेश ।
शिवाय ईशानमूर्तये तत्पुरुषवक्त्रा-
य अघोरहृदयाय वामदेवगु-
ह्याय सद्योजातमूर्तये ॐ नमः
गुह्यातिगुह्याय गोप्त्रे निधनाय
शि. सर्वविद्याधिपाय ज्योतीरूप
शि. य परमेश्वराय प्रमउना१ हूम
ना१

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

हुरीपनाद्रि हेमताङ ३ मद्युपिना ३ पूषन ३
उमन: ३ द्रुगी ३ मद्रुपे ३ मजत्रे ३ मपुत्र ३
मजभना ३ [illegible] मनाना ब्रह्मप्रे
ह: तिप्रम: [illegible] नरनीनीवर शिवाप
द्रव सिवभद्र भपमह भवप्रभद
मव भनद्र वप्रभकप्रं धनापिपउ
भागु ३ भवि ३ भव ३ भव ३ हवेम्ह ३
भवद्भगवादुमनभ[illegible]शत्रुपत्रकगक
यप्रीवनदु भवकुप मगानि ३ ३
मंगुउ ३ प्रवाहिउ ३

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

भातीना। ३ उ.। ३ भडङ्ग। ३ पिङ्ग। ३ ज्ञूव
मद्र अद्ध मिव भयम तेनमीन
भ:क्लीं उ[illegible]पिद्य: ॥ भडून
भङ्गु नलमं[illegible] ठवयेत। ५
ठेयुक्रीत[illegible] भूवे विहूं हूँ भेतुंगीउउ:
भउलव[illegible] नामसउइयं
उ दंभ: [illegible] कानगा जैङ
उइ मि. वव: हूँ [illegible] भंजन:
मि. भवकाल[illegible] व भूलं यं उ
मि. [illegible] कयुपगे कलं
हूंभ:
CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

गं गुं गुं घं लं वं भं क्रीं अवा[illegible]
[illegible] नमः ॐ यं रः भं रः लं ल्मः
[illegible]
[illegible] कं भाति भुक्त ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible] कं भाति भुक्त ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible] कं भाति भुक्त ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] ॥

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

[illegible]

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] ॥

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

मैत्रनाय फट् । मन्तुभतन्मुग्यफट् । ॐ उमुषं
त्रियेत
भद्रूवेत्रैवाविधेत । भन्तुफलमं
भुथंषेवं ३ भूमंविन्तुरेयंमन्मयेत
फः भभुग्यफट् । ॐ क्रुं क्लीं क्रुं हुं क्रुं
क्रुः भः भ्रूफन्मन्त्रवेभूतवे ॐ उम
वाभिवाभाविधेत । भन्तुफलमं वाःभि
वफलमं भवाभिवाभि भन्तयेत ॐ क्रुं
मन्तुविभ्रूफन्मन्त्रवे भक्तभ्रतुयेभव
भभयनेयान्त्रिवाच्य ३ भवभमयंय
२३९ भगत्रिमं ऊँ ॐ क्रुं ॥ ३३ःभंफ

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

ਗੁਰਸੂਪਾਵਿਸਾਲਾਯਤੋ। ਸੁਧਸਛ੍ਰਿਤ ਤਿ
ਲੋਸਕੰ ਤ੍ਰਦ੍ਵਤ। ਨਿਵਾਲਧਨ੍ਰਤਿਮਾਲਾ
ਮੇਤਿ ਸੁਰਾਪਾਸੁ ॥

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri